आइआइएम के दीक्षांत समारोह में 220 उपाधि बांटी गयी, आइसीएस समूह संस्थापक ने कहा

भविष्य डाटा बेस के विश्लेषण का है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रांची के सातवें दीक्षांत समारोह में 222 छात्रों को उपाधियां दी गयी. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट तथा एग्जिक्यूटिव पीजीडीएम स्तर के पाठ्यक्रमों की डिग्री मिली. दीक्षांत समारोह खेलगांव परिसर स्थित डॉ रामदयाल मुंडा कला भवन प्रेक्षागृह में हुआ. आइआइएम रांची के निदेशक मंडल के अध्यक्ष प्रणव शंकर पंडया ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया. राहुल कुमार और शुभोदीप मुखर्जी को फेलो प्रोग्राम की उपाधि दी गयी. इस दौरान आइसीएस समूह के संस्थापक दीपक प्रेमनारायण ने छात्रों से कहा कि भविष्य डाटा बेस का बेहतर संकलन और विश्लेषण का है.

इनको मिली विशेष उपाधि

पीजीडीएम, पीजीडीएचआरएम और एग्जिक्यूटिव पीजीडीएम में चेयरमैन मेडल से गौतमी मार्कीनेनी, नेहा गुप्ता और कुमार संजय सर्वनी को सम्मानित किया. डायरेक्टर्स मेडल एंड सर्टिफिकेट, बुक प्राइज भी दिये गये. प्रो आशीष हाजरा मेमोरियल अवार्ड गणेश मनोज एस को मिला.

आइआइएम रांची के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधि देते अतिथि.

अपने पुराने पदचिह्नों पर गौरव नहीं करें : अश्विन दानी

एशियन पेंट्स के सह प्रमोटर जलज अश्विन दानी ने कहा कि अपने पुराने पद चिन्हों पर गौरव नहीं करें. दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है. बदलती परिस्थितियों में अपने को ढाल कर बेहतर काम करें. रचनात्मक सोच के साथ निजी और पेशेवर जिंदगी को अलग-अलग कर काम करें. किसी भी संस्थान, उपक्रम में कर्मियों को लेकर चलने की आवश्यकता है. दुनिया में कई ऐसी हस्तियां रही हैं, जो बदलते जमाने में अपने अस्तित्व भी गवां चुकी हैं. इसलिए सफलता पाने के लिए यह जरूरी है कि ऊंचाईयों और चुनौतियों को एक सिक्के के दो पहलुओं की तरह देखें. अश्विन दानी ने कहा कि एशियन पेंट्स में जब मैंने अपना योगदान दिया था, उस समय कंपनी की कुल साख 1000 करोड़ थी. वह 25 साल में बढ़ कर एक लाख करोड़ तक पहुंच गयी. इसलिए जिम्मेवार अधिकारी के रूप में यह ध्यान देना जरूरी है कि कंपनी के जितने भी एसेट्स हैं, उन्हें मान-सम्मान दें. उन्होंने कहा कि सपना वह नहीं होता, जो व्यक्ति सोने के क्रम में देखता है. सपना वह है, जिसे पूरा करने में उसकी सारी हिम्मत, मेहनत और कार्यकुशलता झलकती है.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का जमाना

आइसीएस समूह के संस्थापक दीपक प्रेमनारायण ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थ्री डी प्रिंटर्स और रोबोटिक्स के जमाने में आइआइएम के पास आउट छात्रों के सामने कई चुनौतियां हैं. आज वह जमाना है, जब एक टेलीफोन कनेक्शन के लिए आपके पास कई विकल्प हैं. 30 वर्ष पहले बीएसएनएल का कनेक्शन लेने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था. उन्होंने कहा कि भविष्य डाटा बेस का बेहतर संकलन और विश्लेषण का है. चीनी कंपनी टेंसेंस ने बुके ऑफ सर्विसेस का विश्व स्तरीय रिटेल चेन बनाया है. चीन में प्रति दिन 16 हजार स्टार्ट अप कंपनियां जन्म लेती हैं. सालाना 55 लाख स्टार्ट अप चीन में बनते हैं. भारत में चीन की तुलना में एक बटा पांचवां स्टार्ट अप भी नहीं बन रहा है. चीनी कंपनी पीनगैन की तरफ से ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है. अब क्लाउड कंप्यूटिंग के जरिये कार में ही हर बीमारी का परामर्श संभव है. इसके लिए अस्पताल जाने की जरूरत नहीं है. दीपक प्रेमनारायण ने कहा कि विश्व भर में हेल्थ केयर, मनोरंजन, पर्यटन के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं. दो से तीन दिन में सलमान खान की फिल्म ने 119 मिलियन डॉलर का कारोबार किया था. दीपक प्रेमनारायण ने कहा कि आइआइएम के छात्रों को उद्यमी बनना चाहिए. जीवन के लक्ष्य में कभी भी लोभ को हावी नहीं होने दें. जिंदगी में नाकामियां आती हैं, पर उनसे घबराने की जरूरत नहीं है. मैंने भी अपनी पत्नी के सभी आभूषण गिरवी रख दिये थे. अब वह स्थिति नहीं रही. इसलिए चुनौतियों से हार कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में पीछे नहीं रहना चाहिए.

इन्हें मिली उपाधि

पीजीडीएम (कुल 134)

- (2016-18)
- प्रथम : गौतमी मर्कीनेनी
- द्वितीय : किरथन शर्मा
- तृतीय : रणविजय
- चतुर्थ : आदित्य अशोक कुमार
- पांचवां : अतिशय जैन

पीजीडीएचआरएम (कुल 51)

- प्रथम : नेहा गुप्ता
- द्वितीय : कार्तिक के
- तृतीय : गौरव घोष
- चतुर्थ : जतिंदर मोदी
- पांचवां : रचना राधाकृष्णन

पीजीइएक्सपी (कुल 37)

- प्रथम : कुमार संजय स्वर्णी
- द्वितीय : अपराजिता राय
- तृतीय : कुंदन कुमार
- चतुर्थ : पराज अहमद
- पांचवां : अहमद शाद

आइएएस राहुल पुरवार को डिप्लोमा

आइएएस अधिकारी राहुल पुरवार को एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट का डिप्लोमा भी दिया गया. निशक्त छात्रा ईशा अग्रवाल को पीजीडीएचआरएम की उपाधि दी गयी. आइआइएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि संस्थान में पीजीडीएम की सीटों की संख्या 120 से बढ़ा कर 180 कर दी गयी है, जबकि पीजीडीएचआरएम की सीटें 40 से 60 कर दी गयी हैं. इस बार अब तक पीजीडीएम में 180, पीजीडीएचआरएम में 64 और एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम में 28 नामांकन हो चुके हैं.

संयुक्त राष्ट्रसंघ के 17 मिलेनियम गोल को पाने का जज्बा रखें : प्रेमशंकर

आइआइएम रांची के निदेशक मंडल के अध्यक्ष प्रेम शंकर पांड्या ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ के मिलेनियम गोल को प्राप्त करने का जज्बा स्टूडेंट्स में रहना चाहिए. आइआइएम के पास आउट वैसे कुछ चुनिंदा छात्रों में से हैं, जिन्हें यह गौरव प्राप्त हुआ है. उन्होंने कहा कि सरकार के नियंत्रण वाले शासन के बाद भूमंडलीकरण का दौर आया. अब फिर परिस्थितियां बदल रही हैं. उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते परिवेश में अपने आप को बदलना जरूरी है. नया खोजो और उसे भरो, तभी सपने पूरे होंगे. इसकी बेहतर मिसाल हैं उबर और अमेजन.